Publication: Patrika **Date: 12.09.15**

Edition: INDORE **Pg No: 16**

आईटी क्विज में एमरल्ड बना विनर

टीसीएस की ओर से इंटर स्कूल आईटी क्विज का हुआ आयोजन

plus रिपोर्टर
indoreplus@patrika.com

फेसबुक ट्विटर और वॉट्सएप जैसे आईटी से रिलेटेड टफ क्वेश्चन और उनका आसंर देते हुए स्कूल स्टूडेंट्स कुछ ऐसा ही नजारा डीएवीवी ऑडिटोरियम में शुक्रवार को टीसीएस आईटी क्विज में देखने को मिला है। इसमें अलग-अलग स्कूलों के 1 हजार स्टूडेंट्स ने पार्टिसिपेट किया। इनमें से 6 टीम ने प्रिलीम्नरी राउंड क्वालिफाई कर फाइनल राउंड में जगह बनाई। क्लास 8 से 12वी तक के स्टूडेंट्स के बीच में हुए कॉम्पीटिशन में स्टूडेंट्स के बीच में रोचक मुकाबला देखने को मिला। क्वीज में टेक्नोलॉजी ट्रेंड्स, एनिमेशन, सोशल नेटवर्किंग, एन्वायर्नमेंट, बिजनेस, ग्रेट पर्सनैलिटी, एजुकेशन एंटरटेनमेंट आदि से रिलेटेड क्वेश्चन शामिल थे। क्विज मास्टर गिरी बालासुब्रमण्यम ने रोचक अंदाज में क्विज और इंटरेस्टिंग बनाया। फाइनल राउंड इंटरनेट ऑफ थिंग्स में स्टूडेंट्स से विजुअवल बेस्ड रैपिड फायर राउंड था। इसमें स्टूडेंट्स को विजुवल को पहचान कर आंसर देना था। क्विज के दौरान ट्विट कॉम्पीटिशन का भी आयोजन किया गया। सबसे ज्यादा ट्विट करने वाले पार्टिसिपेंट्स को प्राइज दिए गए। इस बार इंदौर से टोटल 17324 ट्विट हुए है, जो अभी तक का रिकॉर्ड है।

फाइव टिप्स फॉर स्टूडेंट्स

- डेली रीडिंग
- टेक योर गोल सीरियसली
- प्रॉपर प्रिपरेशन
- डिस्कशन विद् ग्रुप
- नेवर गिव अप

फाइव राउंड्स की टफ कॉम्पीटिशन के बाद एमरल्ड हाइट्स स्कूल के वैभवसिंह (11वीं) और देव सेठ (10वीं) विनर रहे। वहीं सेंट पॉल स्कूल के रुद्राक्ष त्रिपाठी और प्रखर मिश्रा सेकंड पोजिशन पर रहे। रीजनल फाइनल के विनर दिल्ली में होने वाले नेशनल फाइनल में पार्टिसिपेट करेंगे।

अर्ली एज में स्पेशलाइजेशन का दौर

क्विज मास्टर गिरी बालासुब्रमण्यम ने कहा, अब अर्ली एज में स्पेशलाइजेशन का दौर है। स्टूडेंट्स को अपना इंटरेस्ट समझ में आ जाता है तो उन्हें कॅरियर का पाथ डिसाइड कर लेना चाहिए। आप जितनी जल्दी स्पेशलाइजेशन की ओर फोकस करेंगे, उतनी जल्दी सक्सेस हासिल कर सकते हैं। क्विज सिर्फ नॉलेज गेम नहीं है, इसके लिए सॉइकोलॉजी भी इम्पॉर्टेंट है। अगर आप जीतने का माइंडसेट रखकर नहीं खेलेंगे तो फिर आप नहीं जीत सकते।

नॉलेज ही है इंडिया का यूएसपी

पिक ब्रेन के नाम से मशहूर क्विज मास्टर गिरि बालासुब्रमण्यम नें कहा ग्लोबल सिनेरियो में देखें तो इंडिया की यूएसपी हमेशा से नॉलेज ही रही है। आज वर्ल्ड की टॉप मोस्ट कम्पनी में इंडियन अपनी नॉलेज के दम पर कायम हैं। अपकमिंग जेनरेशन को इस बात को ध्यान रखना होगा, हम नॉलेज के जरिए ही सुपर पॉवर बन सकते हैं। स्टूडेंट्स को अपनी रीडिंग हैबिट्स को इंक्रीज करने की जरूरत है। अब लोग पढ़ रहे हैं, पर वे कम्युनिकेशन की तरह पढ़ रहे हैं।